एस.एस. जैनसुबोध स्नातकोत्तर (स्वायत्तशासी) महाविद्यालय, जयुपर

असाइनमेंटकार्य–मार्च 2026

एम.ए. हिन्दी, चतुर्थसेमेस्टर

प्रथमप्रश्न–पत्र –आलोचना एवंआलोचक

पूर्णांक 30

छात्रों के लिए निर्देशः–असाइनमेंटमें 6 प्रश्नहै।विद्यार्थियोंको 3 प्रश्नोंकाउत्तरदेनाआवश्यक है (प्रत्येक इकाईसे 1 प्रश्न), प्रत्येकउत्तरमें कम से कम 500 शब्दहोनेचाहिए औरइसेअच्छीप्रस्तुति के साथलिखें ।

(खण्ड–क)

प्रश्न 1 आलोचनाकामहत्वबतातेहुए, साहित्य मेंइसकीआवश्यकतापरप्रकाशडालिए।

प्रश्न 2 आलोचना के विकास–क्रमकोस्पष्टकीजिए। (10)

(खण्ड–ख)

प्रश्न 3 'काव्य मेंलोमंगल की साधनावस्था' निबन्ध के आधारपरआचार्यरामचन्द्र शुक्ल के विचारों की विवेचनाकीजिए।

प्रश्न 4 'भारतीय साहित्य की प्राणशक्ति' निबन्ध की अवधारणास्पष्टकीजिए। (10)

(खण्ड– ग)

प्रश्न 5 डॉ. नगेन्द्र की आलोचनात्मकदृष्टिकाविवचेनकीजिए।

प्रश्न 6 डॉ. रामविलास शर्मा की आलोचनात्मकदृष्टिपर एकलेख लिखिए। (10)

एस.एस. जैनसुबोध स्नातकोत्तर (स्वायत्तशासी) महाविद्यालय, जयुपर

असाइनमेंटकार्य–मार्च 2026

एम.ए. हिन्दी, चतुर्थसेमेस्टर

चतुर्थप्रश्न–पत्र –आधुनिककाव्य –II

पूर्णांक 30

छात्रों के लिए निर्देशः–असाइनमेंटमें 6 प्रश्नहै।विद्यार्थियोंको 3 प्रश्नोंकाउत्तरदेनाआवश्यक है (प्रत्येक इकाईसे 1 प्रश्न), प्रत्येकउत्तरमें कम से कम 500 शब्दहोनेचाहिए औरइसेअच्छीप्रस्तुति के साथलिखें ।

(खण्ड–क)

प्रश्न 1 प्रस्तुतपद्यांश की सप्रसंगव्याख्या कीजिए–

..... वहबबूलभी
दुबला, धूलभरा, अप्रिय–सा, सहजउपेक्षित
श्यामवक्रअस्तित्वलिए वहरंगतिरस्कृत,
अपमानोंकामौनझेलता, चिर–अपमानित,
पथ के एक ओरचुपचाप खड़ाहैं ।
फटे–हाल जीवन की नंगीकठिनदीनता–साजोवर्जित,
वहबबूलहै।

प्रश्न 2 गजाननमाधवमुक्तिबोध के काव्य मेंअभिव्यक्तसमाजबोध काविवेचनकीजिए। (10)

(खण्ड– ख)

प्रश्न 3 'कात्यायनी' की कविताओंमें स्त्री चेतनाका शब्दमुखरहै' कथन की सार्थकतामेंकात्यायनी के काव्य पक्ष कोविवेचितकीजिए?

प्रश्न 4 'फुटपाथपरकुर्सी' कविताकामूलभावसोदाहरणसहितस्पष्टकीजिए। (10)

(खण्ड–ग)

प्रश्न 5 नन्दकिशोरआचार्य के कृतित्व एवंव्यक्तिवकाविवेचनकीजिए।

प्रश्न 6 'बाँसुरीऔरमोरपाँख' और 'क्या करूँगा रघुवीरजी' कविताओंकामूलभावसोदाहरणसहित स्पष्टकीजिए। (10)

एस.एस. जैनसुबोध स्नातकोत्तर (स्वायत्तशासी) महाविद्यालय, जयुपर

असाइनमेंटकार्य–मार्च 2026

एम.ए. हिन्दी, चतुर्थसेमेस्टर

पंचमप्रश्न–पत्र –विशिष्ट अध्ययन

कवि, साहित्यकार (2) प्रेमचन्द

पूर्णांक 30

छात्रों के लिए निर्देशः–असाइनमेंटमें 6 प्रश्नहै।विद्यार्थियोंको 3 प्रश्नोंकाउत्तरदेनाआवश्यक है (प्रत्येक इकाईसे 1 प्रश्न), प्रत्येकउत्तरमें कम से कम 500 शब्दहोनेचाहिए औरइसेअच्छीप्रस्तुति के साथलिखें ।

(खण्ड–क)

प्रश्न 1 निम्नलिखितगद्यावतरण की सप्रसंगव्याख्या कीजिए–

सहसाजबरानेकिसीजानवरकीआहटपाई।इसविशेषआत्मीयतानेउसमें एक नईस्फूर्तिपैदाकरदीथी, जोहवा के ठंडेझोंकोंकोतुच्छ समझतीथी।वहझपटकरउठाऔरछतरी के बाहरआकरभूंकनेलगा।हल्कू ने उसेकईबारचुमकारकरबुलाया;परवहउसकेपास न आया।हारमेंचारोंतरफदौड़–दौड़करभूंकतारहा। एक क्षण के लिए आभीजातातोतुरन्तहीफिरदौड़ता।कर्त्तव्य उसकेहृदय मेंअरमान की भांतिउछलरहाथा।

प्रश्न 2 प्रेमचन्दकृतईदगाहकहानीकीमूलसंवेदनापरप्रकाशडालिए। (10)

(खण्ड– ख)

प्रश्न 3 'गबन' उपन्यास की तात्विकसमीक्षाकीजिए।

प्रश्न 4 ''गबनउपन्यासभारतीय समाज की सामाजिकऔरआर्थिकपरिस्थितियोंकोदर्शाताहै'' कथन के आलोकमें 'गबन' की समीक्षाकीजिए। (10)

(खण्ड– ग)

प्रश्न 5 प्रेमचन्द के कथा–साहित्य कासामाजिकमूल्यांकनकीजिए।

प्रश्न 6 ''प्रेमचन्दकाकृतित्वसमाज के उपेक्षितवर्गकासंरक्षणकरताहै'' कथन की समीक्षा कीजिए। (10)

S.S. Jain Subodh P.G. College, Jaipur (Autonomous)

vIkbuesaVdk;Z ekpZ&2026
,e-,- fgUnhprqFkZlsesLVj
iapeiz'u&i= fof'k"V v/;;;u&1 rqylhnkl

iw.kkZad% 30

नोटः प्रत्येक खण्डसे एक प्रश्नकाचयनकरतेहुए, तीनप्रश्नों के उत्तरदीजिए।प्रत्येकउत्तर की शब्दसीमा : 500 शब्दहैं, इसेअच्छीप्रस्तुति के साथलिखें।

	खण्ड–क	10
iz'u& 1 %	**fuEufyf[kri|korj.k dh lizlaxO;k[;k dhft,&** vktqegkeaxydkslyiqjlqfuu`idslqrpkfjHk,A lnu&lnulksfgykslksgkouks] uHk v# uxj&fulkug,AA lft&lfttkuvej&fdauj&eqfutkfu le;&le xku B,A ukpfgauHkviljkeqfnreuiqfu&iqfucj"kfgalqeu&p,AA vfrlq[k csfxcksfyxq# HkwlqjHkwifrHkhrjHkoux,A tkrdjedfj dud] clu] efuHkwf"krlqjfHklewgn,AA	
iz'u& 2 %	*xhrkoyh* esaof.kZrJhjke&tUeksRlo ds vkuandko.kZuvius 'kCnksaesadhft,A	
	खण्ड–ख	10
iz'u& 3 %	*dforkoyh* esaof.kZrJhjkedhcky&yhykdko.kZudhft,A	

iz'u& 4 %	*dforkoyh* ds dkO;&lkS"Boijizdk'kMkfy,A	
	खण्ड–ग	10
iz'u& 5 %	xksLokehrqylhnkl ds lkfgR; esaof.kZrlkekftdpsrukdksLi"Vdhft,A	
iz'u& 6 %	xksLokehrqylhnkldhHkfDr&Hkkoukij ,d ys[k fyf[k,A	

एस. एस. जैनसुबोधस्नातकोत्तर(स्वायत्तशासी

महाविधालय, जयपुर

असाइनमेंटकार्यमार्च - 2026

एम. ए. हिंदीचतुर्थसेमेस्टर

द्वितीयप्रश्नपत्रआधुनिककाव्य 1

छात्रोंकेलिएनिर्देश- असाइनमेंटमें 6
प्रश्नहैविद्यार्थियोंकोतीनप्रश्नोंकाउत्तरदेनाआवश्यकहैप्रत्येकइकाईसेएकप्रश्नप्रत्येकउत्तरकमसेकम 500 शब्दोंकाहोनाचाहिए

खंड - क

प्रश्न 1. निम्नलिखितपदकीसप्रसंगव्याख्याकीजिए।

सुनायहमनुनेमधुगुंजार,

मधुकरीका- साजबसानंद,

किएमुखनीचाकमलसमान,

प्रथमकविकाजोसुंदरछंद,

प्रश्न -2 कामायनीकीनायिकाश्रद्धाकाचरित्रचित्रणकीजिए।

खंड - ख

प्रश्न -3 रामकीशक्तिपूजाकेभावपक्षएवंकलापक्षपरप्रकाशडालिए।

प्रश्न 4 ‘रामकीशक्तिपूजा’कवितानिरालाकीअनुपमकृतिहै, स्पष्टकीजिए।

खंड - ग

प्रश्न 5 नईकविताकेस्वरूपकोस्पष्टकरतीअसाध्यवीणाकविताकीविशेषताओंपरप्रकाशडालिए।

प्रश्न 6 . ‘असाध्यवीणा’ कविताअज्ञेयकेअंतर्मनसेनिकलीसुंदरअभिव्यक्तिहै, स्पष्टकीजिए

एस. एस. जैन सुबोध स्नातकोत्तरमहाविद्यालय

असाइनमेन्ट कार्य मार्च 2026

एम ए. हिन्दी चतुर्थ सेमेस्टर चतुर्थ , प्रश्न-पत्र भाषा-विज्ञान।।

अंक -30

असाइनमेन्ट केलिए निर्देश – प्रत्येक खण्ड में 2 प्रश्न है । विद्यार्थियों को तीन प्रश्नों का उत्तर देना आवश्यक है । (प्रत्येक खण्ड में से एक प्रश्न) प्रत्येक उत्तर में कम से कम् 500 शब्द होने चाहिए, और इसे अच्छी प्रस्तुति के लिखे ।

खण्ड – क

प्रश्न- 1 हिन्दी भाषा उद्भव विकास पर विस्तार सेप्रकाश डालिए । 10

प्रश्न- 2 हिन्दी की प्रमुख बोलियों को स्पष्ट कीजिए।

खण्ड-ख

प्रश्न- 3 संज्ञा को परिभाषित करते हुए , इसके प्रकारोंको उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए। 10

प्रश्न- 4 'कारक को परिभाषित करते हुए , इसके प्रमुख भेदों को स्पष्ट कीजिए ।

खण्ड- ग

प्रश्न - 5 लिपि की परिभाषा देते हुये , लिपि और भाषाके सम्बन्ध पर विस्तार से प्रकाश डालिए । 10

प्रश्न- 6' देवनागरी लिपि ’ के उद ,भव विकास को विस्तार सेस्पष्ट कीजिए।

एस.एस. जैनसुबोध स्नातकोत्तर (स्वायत्त्शासी) महाविद्यालय, जयुपर

असाइनमेंटकार्य–मार्च 2026

एम.ए. हिन्दी, द्वितीय सेमेस्टर

प्रथमप्रश्न–पत्र –हिन्दीसाहित्य काइतिहास

(रीतिकाल एवंआधुनिकाल)

पूर्णांक 30

छात्रों के लिए निर्देशः–असाइनमेंटमें 6 प्रश्नहै।विद्यार्थियोंको 3 प्रश्नोंकाउत्तरदेनाआवश्यक है (प्रत्येक इकाईसे 1 प्रश्न), प्रत्येकउत्तरमें कम से कम 500 शब्दहोनेचाहिए औरइसेअच्छीप्रस्तुति के साथलिखें ।

(खण्ड–क)

प्रश्न 1 रीतिकाल की विशेषताओं/प्रवृतियोंकावर्णनकीजिए।

प्रश्न 2 ''धनानंदप्रेमकीपीरकाकविहै'' कथन की सार्थकतामें धनानंद के काव्यगतमहत्वको बताइए। (10)

(खण्ड– ख)

प्रश्न 3 भारतेन्दु युगीनकाव्य प्रवृत्तियोंकाविवेचनकीजिए?

प्रश्न 4 छायावाद के अर्थ एवंपरिभाषाओंकोबतातेहुए, छायावादीकाव्य की विशेषताओंकाउल्लेख कीजिए। (10)

(खण्ड– ग)

प्रश्न 5 नाटक के अर्थ एवंस्वरूपकाविवेचनकीजिए।

प्रश्न 6 कहानीऔरउपन्यासमेंअन्तरबतातेहुए उनके तत्वोंकावर्णनकीजिए। (10)

एस.एस. जैनसुबोध स्नातकोत्तर (स्वायत्तशासी) महाविद्यालय, जयुपर

असाइनमेंटकार्य–मार्च 2026

एम.ए. हिन्दी, द्वितीय सेमेस्टर

द्वितीय प्रश्न–पत्र –मध्यकालीनकाव्य

पूर्णांक 30

छात्रों के लिए निर्देशः–असाइनमेंटमें 6 प्रश्नहै।विद्यार्थियोंको 3 प्रश्नोंकाउत्तरदेनाआवश्यक है (प्रत्येक इकाईसे 1 प्रश्न), प्रत्येकउत्तरमें कम से कम 500 शब्दहोनेचाहिए औरइसेअच्छीप्रस्तुति के साथलिखें ।

(खण्ड– क)

प्रश्न 1 निम्नलिखितपद्यावतरण की संप्रसगव्याख्या कीजिए।

हमतेंहरिकबहूं न उदास।

राति खवाय पिवाय अधररसक्योंबिसरतसोब्रजकोबास

तुमसोप्रेमकथाकोकहिबोमनहुंकाटिबो घास।

बहिरोतान–स्वादकहंजाने, गूँगो–बात–मिठास।

सुनुरी सखी, बहुरिफिरि ऐहैंवेसुख विविध बिलास।

सूरदास ऊधोअबहमकोभयोतेरहोंमास।।

प्र.2 स्पष्टकीजिए किसूरदास के विरह–वर्णनमेंअनुभूतिकीतीव्रताऔरभावों की विशदता के दर्शनहोतेहैं। (10)

(खण्ड– ख)

प्र.3 सिद्ध कीजिए कि 'गोस्वामीतुलसीदास' ने 'विनय–पत्रिका' मेंविनय काभावव्यक्त कियाहै।

प्र.4 'गोस्वामीतुलसीदास' ने 'विनय–पत्रिका' में स्वयं के उद्धार की कामना के साथविश्व के उद्धार की कामना की है।कथन की विवेचनाकीजिए। (10)

(खण्ड–ग)

प्र.5 'मीरांकृष्ण की अनन्य उपासिकाहै' कथन के आलोकमेंमीरांकीभक्ति–भावनास्पष्ट कीजिए।

प्र.6 ''मीरामुक्तावली के पद मीरां की विरह–वेदना की स्पष्टअभिव्यक्तिहै'' कथन के परिप्रेक्ष्य में मीरा की विरह–वेदनापरप्रकाशडालिए। (10)

S.S. Jain Subodh P.G. College, Jaipur (Autonomous)

vlkbuesaVdk;Z ekpZ&2026
,e-,- fgUnh] f}rh; lsesLVj
r`rh; iz'u&i=
dkO;'kkL=&II ¼ik'pkR;½

iw.kkZad% 30

नोटः प्रत्येक खण्डसे एक प्रश्नकाचयनकरतेहुए, तीनप्रश्नों के उत्तरदीजिए।प्रत्येकउत्तर की शब्दसीमा : 500 शब्दहै, इसेअच्छीप्रस्तुति के साथलिखें।

खण्ड–क 10

iz'u&1 % lysVks ds *dkO; fparu* ijizdk'kMkfy,A

iz'u&2 % yksatkbul ¼yksafxuql½ ds *dkO; esamnkŸkrŸo* dh vo/kkj.kkijizdk'kMkfy,A

खण्ड–ख 10

iz'u&3 % Vh-,l- bfy;V ds *fuoSZ;fDrdrk ds fl)kar* dh foospukdhft,A

iz'u&4 % *ubZleh{kk* ijfoLrkjls fVIi.kh dhft,A

खण्ड–ग 10

iz'u&5 *lS)kfUrdvkykspuk* ijfoLrkjls fVIi.kh dhft,a

%

iz'u&6 *,sfrgkfldvkykspuk* ijfoLrkjls fVIi.kh dhft,A

%

एस.एस० जैन सुबोध स्नातकोत्तर **egkfo|ky;**

असाइनमेंट कार्य , मार्च 2026

एम.ए. हिन्दी ,**f}rh;** सेमेस्टर

प्रश्न पत्र - चतुर्थ (हिन्दी कहानी)

पूर्णांक: 30

असाइनमेंट के लिए निर्देश:प्रत्येक खण्ड में 2 प्रश्न हैं। **fo|kfFkZ;ksa** को 3 प्रश्नों का उत्तर देना आवश्यक है। (प्रत्येक खण्ड में से कम से कम 1 प्रश्न)प्रत्येक उत्तर में कम से कम 500 शब्द होने चाहिए और इसे अच्छी प्रस्तुति के साथ लिखें।

खण्ड – कप्रश्न-1: निम्नलिखित **x|korj.k**की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। 10

"विचित्र जीवन था उनका। घर में मिट्टी के दो-चार बर्तनों के सिवा कोई सम्पत्ति नहीं। फटे चीथड़ों से अपनी नग्नता को ढके हुए जिए जाते थे। संसार की चिंताओं से मुक्त , कर्ज से लदे हुए। गालियाँ भी खाते , मार भी खाते मगर कोई गम नहीं। दीन इतने कि वसूली की आशा न होने पर लोग उन्हें कुछ न कुछ कर्ज दे देते थे।"

प्रश्न-2: 'रोज ' कहानी का मूल भाव अपने शब्दों में लिखिए।

खण्ड – खप्रश्न-3: ‘ख़ोई हुई दिशाए’ कहानी का मूल भाव अपने शब्दों में लिखिए। 10

प्रश्न-4: फणीश्वर नाथ 'रेणु ' की 'तीसरी कसम ' कहानी की तात्विक समीक्षा विस्तार से कीजिए।

खण्ड – ग प्रश्न-5: ‘जहाँ लक्ष्मी कैद है’ कहानी का सारांश अपने शब्दों में लिखिए। 10

प्रश्न-6: 'परायी प्यास का सफर ' बालश्रम और शोषण पर आधारित कहानी है , स्पष्ट कीजिए।